आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–30 जून 2025 भोजपुरी समाचार

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आजु दुइ दिन के प्रदेस दौरा पर पहुंचलिन। उहां के आजु संझा गोरखपुर के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्था–एम्स क पहिला दीक्षांत समारोह में सामिल भइलीं अउर मेधावियन के पदक दिहलीं। राष्ट्रपति दुपहरिया एक बजे गोरखपुर पहुंचलिनि जहवां एयरपोर्ट पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल अउर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनकर स्वागत कइलें। ओहीं एयरपोर्ट से सर्किट हाउस जात समय कई जगहिन पर भाजपा कार्यकरता, स्कूली लइके अउर लोक कलाकारो उनकर अभिवादन कइलें। राष्ट्रपति, गोरखेपुर में राति बिसराम के बाद बिहने भटहट में नया बनल प्रदेस क पहिला महायोगी गुरू गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय क लोकारपण करबि। सथहीं, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के एगो कार्यक्रमो में सामिल होइवें, जहवां उहां के कई गो परियोजना क लोकारपण अउर सिलान्यास करबि। राष्ट्रपति गोरखनाथ मंदिरो जाइब।

एहसे पहिले राष्ट्रपति बरेली में आजु भिन्नहीं भारतीय पसु चिकित्सा अनंसंधान संस्था के इग्यारहवां दीक्षांत समारोह के सम्बोधित कइलिनि। येह मौका पर उहां के कहलीं कि अउरियो क्षेत्र के तरियन प्रौद्योगिकी पसु चिकित्सा औषधि अउर देख–रेख में क्रांतिकारी बदलाव ले अइले क क्षमता रक्खे ला। राष्ट्रपति कहलिनि कि प्रौद्योगिकी क उपयोग देस भर के पसु चिकित्सा अस्पतालन के मजबूत बना सके ला।

टेक्नोलॉजी के प्रयोग से देश भर के पशु चिकित्साओं को सशक्त बनाया जा सकता है। जीनोम एडिटिंग, एमब्रयो ट्रांसफर टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डाटा एनालिटिक्स जैसे टेक्नोलॉजी के प्रयोग से इन क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव लाया जा सकता है।

केन्द्रीय कृषि अउर किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहानो दीक्षांत समारोह के सम्बोधित कइलें।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ काल्हि लखनऊ में अपने आवास पर बइठकी कइ के प्रदेस के आकांक्षात्मक जिलन अउर विकास खण्ड के प्रगति क समीक्षा कइलें। उहां के कहलीं कि जनभागीदारी, नवाचार, पारदर्सिता अउर समयबद्ध क्रियान्वयन आकांक्षात्मक विकास खण्ड अउर आकांक्षात्मक जिला कार्यक्रम के सफलता क मूल मंत्र हौ। श्री योगी कहलें कि प्रदेस सरकार आकांक्षात्मक इलाकन के विकास के मुख्यधारा से जोड़े बदे पुरहर प्रतिबद्धता के साथे कार कइ रहलि हौ। उहां के निरदेस दिहलीं कि सज्जो विभाग सामूहिक समन्वय अउर ठोस कार्ययोजना के साथे आपन लक्ष्य पवले के दिसा में आगे बढ़ें। बइठकी में सीनियर अधिकारियन की ओरि से आकांक्षात्मक जिलन अउर विकास खण्डन में कइल गइल स्थलीय भ्रमण क रिपोर्टो प्रस्तुत कइल गइल, जेहमें जमीनी स्तर पर योजना के क्रियान्वयन, नवाचारन क उपलब्धि अउर जरूरी सुधार बिन्दुअन पर पुरहर चरचा भइल।

****

आपातकाल लागू कइल गइले क पचासवां सालगिरह पर भारत क लोकतांत्रित इतिहास में काला अध्यायन में से एक के रूप मे येह अवधि के इयादि कइल जा रहल हौ। येह मौका पर देस भर में कई गो कार्यक्रम आयोजित कइल जा रहल बा। येह अवधि के दौरान मीसा के तहत जेलि भेजल गइल लोगिन के सम्मानित कइल जा रहल हौ। आपातकाल के दौरान के हालति के ले के राजनीतिज्ञ अरूण वशिष्ठ आपन अनुभव साझा कइलें।

अतिरिक्त बंदिशें थी इस नाते कि हमारी मुलाकात पर प्रतिबंध था। हमसे कौन मिलने आ रहा है। इसका एलआईयू देखती थी। बहुत ही निकट के लोग वो मिलने आ पाते थे। समाज तो जेल से भी ज्यादा डरा हुआ था। जो लोग बाहर से रिश्तेदार–रिश्तेदार को नहीं पहचान रहे थे। घर आना जाना नहीं था। हम लोग जो जेल आ गए थे। उन परिवारों की देखभाल करने वाले भी हमारे निजी लोग नहीं थे।

****

उत्तराखंड में तेज बरखा के नाते चारधाम जतरा पर लगावल गइल अस्थायी प्रतिबंध आजु हटा लिहल गइल हौ। गढ़वाल क आयुक्त विनय शंकर पांडे बतवलें कि जतरा राहि पर जिलाधिकारियन के गाड़ियन के आवाजाही के नियंत्रण कइले क निरदेस दीहल गइल हौ।

****

जौनपुर जिला में पीएम किसान सम्मान निधि बदे सात लाख अड़तीस हजार दुइ सो एक्कइस किसानन क बैच लॉक कइल गइल हौ। ई जनकारी उपनिदेसक कृषि हिमांशु पाण्डेय दिहलें। उहां के बतवलीं कि जल्दिये किसान सम्मान निधि क बीसवीं किस्ति आ जाई। पीएम किसान सम्मान निधि के अपात्र लोगिन क भुगतान रोकि दीहल गइल हौ।

****

प्रदेस में दक्खिन–पच्छिम मानसून के अइले के सथहीं पूरबी अउर पच्छिमी जिलन में मध्यम से तेज बरखा क सिलसिला रूकि–रूकि के जारी हौ। मौसम विज्ञान विभाग के मोताबिक बिहने से ले के पांच जुलाई ले प्रदेस में कई जगहिनि पर गरज–चमकि के साथे बौछार परले अउर बरखा भइले क सम्भावना बा। सथहीं आवे वाला चउबीस घंटा में अधिकतम तापमान में दुइ से तीनि डिगिरी सेल्सियस के गिरावट क पूर्वानुमान जतावल गइल हौ। विभाग के हिसाबि से एकरे बाद तापमान में कउनों बड़हन बदलाव नाहीं होई।

****